हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

11 लघु सचिवालय में पार्किंग की नहीं उचित व्यवस्था...

12 खेड़की पशु औषधालय को अस्पताल में अपग्रेड...

शहीदी दिवस पर विशेष : आखिर कब बनेगा नसीबपुर में आजादी का मेमोरियल

मार्च माह में विधानसभा में नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव ने उठाया मुद्दा, मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर सीएम से भी मिल चुके दक्षिणी हरियाणा से जुड़े विधायक

नारनौल। शहीद स्मारक नसीबपुर। फोटो : हरिभूमि

साल 2016 में सीएम मनोहरलाल ने प्रदेश में दो जगह अंबाला व नारनौल के नसीबपुर में शहीदी स्मारक बनाने की थी घोषणा की

सतीश सैनीर ▶▶ नारनौल

भाजपा सरकार ने नौ साल पहले अंबाला व नसीबपुर में आजादी का मेमोरियल बनाने की घोषणा की थी। अंबाला में यह बनकर तैयार हो चुका है। नसीबपुर में अभी तक एक ईंट तक नहीं रखी गई है। इस मुद्दे को 25 जून 2023 को राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुग्राम के जाटौली में गौरवशाली भारत रैली में भाजपा हरियाणा प्रभारी विप्लब कुमार देव के समक्ष उठाया। वहीं अब मार्च–2025 में विधानसभा में नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव ने उठाया तो मंत्री राव नरबीर सिंह के जवाब से संतुष्टि नहीं मिली।

दक्षिणी हरियाण से जुड़े पार्टी के ही नेता लामबंद हुए और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले। इनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो रामबिलास शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, विधायक ओमप्रकाश यादव, विधायक कंवरसिंह, विधायक बिमला चौधरी पटौदी, विधायक डा. कृष्ण कुमार बावल व विधायक अनिल यादव कोसली शामिल थे। यही नहीं, जुलाई–2025 में पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने भी सीएम को पत्र लिख इस स्मारक की सुध लेने की मांग की। इस बात को भी अब काफी समय बीत चुका है। सरकार की सकारात्मक पहल भी नजर नहीं आ रही। ऐसे में घोषणा होने के बावजूद भी काम नहीं होना, जिला की नहीं दक्षिणी हरियाणा के लोग नाराज हो रहे है।

सीएम ने घोषणा के बाद इस वॉर मेमोरियल पार्क एवं ओपन थियेटर का निर्माण करवाने की जिम्मेदारी पंचायत राज विभाग को सौंपी गई। करीब तीन साल बाद निर्माण की यह फाइल पंचायत विभाग से लेकर टूरिज्म को भेज दी गई।

एक साथ की घोषणा, अंबाला में तैयार, 9 साल से नसीबपुर शहीद स्मारक कर रहा इंतजार

आपको बता दें कि सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में राजा राव तुलाराम व राजा कृष्ण गोपाल के नेतृत्व में क्षेत्र के हजारों रणबांकुरों ने नारनौल के गांव नसीबपुर में अंग्रेजों की शक्तिशाली सेना का डट कर मुकाबला किया था। इस युद्ध में करीब पांच हजार रणबांकुरों ने अपने प्राणों की आहूति दी और अंग्रेजों की सेना के छक्के छुड़ाए थे। यहां हमारे उन वीर रणबांकुरों की वीरगाथा को याद करने के लिए एक स्मारक का निर्माण करवाया गया। साल 2016 में मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने इस ऐतिहासिक मैदान में 12 एकड़ जमीन पर वॉर मेमोरियल पार्क एवं ओपन एयर थियेटर का निर्माण करवाने की घोषणा की थी। बताया गया था कि यहां पर वार मेमोरियल क्षेत्र, लाइब्रेरी, प्रदर्शनी, फूड कोर्ट व ब्रिटिश ग्रेव्यार्ड को संरक्षित करने समेत कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का निर्माण करवाया जाएगा। अलग से पार्किंग की व्यवस्था होगी। अच्छे पार्क को भी तैयार किया जाएगा। वॉर मेमोरियल पार्क के निकट एक संग्रहालय बनाया जाएगा।

क्या कहते है विधायक

नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव से हरिभूमि ने बातचीत की। विधायक ने बताया कि कागजी कार्रवाई लगभग पूरी हो चुकी है। नवंबर माह में मुख्यमंत्री नायब सैनी का नारनौल में कार्यक्रम होने की संभावना है। उस दौरान ही मुख्यमंत्री ने शहीदी स्मारक के नवनिर्माण का शिलान्यास करवाएंगे।

जिला बार एसोसिएशन एवं पुलिस विभाग के बीच और बढ़ा विवाद

जिला की सभी अदालतों में रहा वर्कसस्पेंड

लाल चुनरी ढक 'पुलिस प्रशासन पुतले' का किया अंतिम संस्कार

नारनौल। बार परिसर से शव से पहले क्रिया हांडी लेकर जाते प्रधान संतोष यादव। फोटो हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला बार एसोसिएशन और पुलिस प्रशासन के बीच इन दिनों विवाद की खाई ओर गहरी हो गई है। जिला बार एसोसिएशन के आह्वान पर सोमवार जहां जिला के अदालतों में अधिवक्ताओं ने वर्कसस्पेंड रखा। वहीं बार परिसर से पुलिस प्रशासन का पुतला बना अंतिम संस्कार की तरह शव यात्रा निकाली। उन्होंने बताया कि तीसरी घटना नारनौल कोर्ट मोड पर पीएनबी बैंक के सामने हुई। जिसमें प्रवीण खंडेलवाल का एक्सीडेंट हो गया। इस हादसे के बाद अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते अधिवक्ताओं में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी है।

अधिवक्ताओं ने पुलिस विभाग पर सहयोग नहीं करने और मनमानी का आरोप लगाते हुए बीते 15 सितंबर से आंदोलन शुरू किया था। कोई सकारात्मक पहल पुलिस विभाग की ओर से नहीं होने का आरोप लगाते हुए जिला बार एसोसिएशन ने बैठक की और शव यात्रा निकालने व वर्क संस्पेंड रखने की घोषणा की। बैठक में तय निर्णय के हिसाब से ही सोमवार अधिवक्ता बार रूम में एकत्रित हुए। यहां पहले तो प्रधान संतोष सिंह यादव ने अपने ही अधिवक्ताओं को विरोध प्रदर्शन शांति प्रिय तरीके से करने का पाठ पढ़ाया। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा जब शव यात्रा निकालनी ही है तो पूरे सिस्टम से कार्य करें। फिर बात चली कि शव के आगे क्रिया हांडी लेकर कौन चलेगा। बार एसोसिएशन के प्रधान ने इस काम की हामी भरी। फिर वहीं से शव यात्रा शुरू हो गई।

अदालत परिसर से निकलने के बाद महेंद्रगढ़ रोड होते हुए महावीर चौक प्रदर्शनकारी अधिवक्ता पहुंचे। यहां अधिवक्ता राजेंद्र भुंगारका ने शव को आग लगाई और वहां पर मटकी फोड़ी गई।

अधिवक्ताओं ने लगाए मुर्दाबाद के नारे

बार प्रधान संतोष सिंह यादव शव के आगे क्रिया हांडी लेकर चले। महावीर चौक पर आग लगा पुतले का दाह संस्कार किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन और एसपी शब्द बोलने मुर्दाबाद के नारे भी अधिवक्ताओं ने लगाए। जब वे किसी केस में एसडीएम कोर्ट में गए थे, तो एसडीएम न होने पर उन्होंने वहां रीडर से एसडीएम की जानकारी ली, तो पीछे से किसी ने कहा कि क्यों बकवास कर रहा है। जिसको टोकने पर उसने अधिवक्ता के साथ मारपीट की। यह शिकायत महावीर पुलिस चौकी को दी थी, मगर इसके बावजूद कोई केस दर्ज नहीं किया।

पुलिस प्रशासन पर यह लगाए आरोप

प्रदर्शन के बाद जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोष सिंह ने मीडिया को बताया कि नारनौल में बीते छह माह में वकीलों के साथ तीन मुख्य घटनाएं हो चुकी हैं। जिनमें पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे वकीलों में पुलिस प्रशासन के प्रति रोष बना हुआ है। पहला मामला सीनियर वकील व पूर्व सैनिक शादीराम के साथ हुआ था। बीते 24 अप्रैल को उनकी स्कूटी के सामने बाइक सवारों ने बाइक लगाकर उनके साथ लूटपाट व मारपीट की गई थी। इस मामले में वकील पांच से छह बार एसपी से मुलाकात कर चुके हैं। वहीं जिला कोर्टों का वर्क सस्पेंड भी रख चुके। धरना प्रदर्शन भी कर चुके, मगर इसके बावजूद सीआईए नारनौल द्वारा अभी तक न तो आरोपितों का पता लगाया गया है और न ही उनकी कोई गिरफ्तारी के प्रयास किए गए हैं। प्रधान ने कहा कि दूसरी घटना बीते नौ सितंबर को एसडीएम कोर्ट में अधिवक्ता दिनेश यादव के साथ हुई।

जमीनी विवाद को लेकर गांव खुड़ाना में हुई पंचायत

महेंद्रगढ़। गांव में पंचायत करते ग्रामीण।

महेंद्रगढ़। गांव खुडाना में जमीनी विवाद का मामला तूल पकड़ता नजर आ रहा है। विवाद को लेकर सोमवार को गांव में पंचायत आयोजित हुई, जिसमें काफी संख्या में लोग जुटे। इस पंचायत में क्षेत्रीय विधायक कवर सिंह भी पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। गांव खुडाना निवासी नरेश कुमार, सुबेसिंह और कविता ने पुलिस को दी। शिकायत में आरोप लगाया है कि कुछ लोग जमीन को लेकर विवाद खड़ा कर दबंगई पर उतरे हुए हैं। आरोप है कि दबंग गाड़ियों में सवार होकर आए आरोपियों ने घेराबंदी की और झगड़े की कोशिश की। इस दौरान गाली-गलौच और मारपीट भी हुई, जिसमें चार–पांच लोग घायल हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन से जुड़े विवादों को लेकर क्षेत्र में आए दिन तनाव की स्थिति बनी रहती है, जिससे शांति-व्यवस्था भंग होने का खतरा बना रहता है। पंचायत में मौजूद वक्ताओं कहना था कि खुडाना गांव की जमीन पर हुए कब्जे में पूरी तरह पुलिस की नाकामी है। इस कब्जे में पुलिस की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता। इस पंचायत में विधायक कंवर सिंह यादव, सरपंच प्रतिनिधि डॉ. नरेश, अधिवक्ता मोतीसिंह, ओमकार ठेकेदार, रणधीर सिंह, नरेंद्र, पाली सरंपच देशराज सिंह, राकेश तंवर बसई, पूर्व जिला पार्षद प्रदीप मालड़ा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। मामले पर जानकारी देते हुए सदर थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर करीब 15 लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

M. 9466333678, 8901516400, 9050506888

विजय अस्पताल

बस स्टैण्ड के सामने, नारनौल (हरि.) 123001

डॉ. विनित यादव

आपातकालीन सेवाएं 24x7

ECHS योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क ईलाज एवं ऑप्रेशन

फ्री OPD

हार्ट रोग

ब्लड बैंक

स्त्री रोग

गुर्दा एवं पथरी रोग

ICU

सिटी स्कैन

MRI

एम्बूलेंस सेवा फ्री

नवरात्र विशेष

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

10

रोहतक, मंगलवार
23 सितंबर 2025

हरिभूमि

सहेली

आवरण कथा

मोनिका शर्मा

व्यावहारिक धरातल पर बढ़ती स्त्री शक्ति की स्वीकार्यता

यह एक अनुपम संयोग है, इस बार नवरात्रों में बेटी दिवस भी पड़ रहा है। नवरात्र में कन्या पूजन की परंपरा है। बेटियों को देवी का रूप मानकर पूजना मात्र एक रीत नहीं है, यह स्त्री शक्ति का मान है। दूसरी ओर नवरात्र में देवी की उपासना से हमें आध्यात्मिक-मानसिक ऊर्जा मिलती है, हमारी आत्मशक्ति बढ़ती है। इसी आत्मशक्ति से आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेधा शक्ति प्रदर्शित कर रही हैं।

बेटियां घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। लक्ष्मीस्वरूपा कही जाती हैं। हमारे परिवारों में बिटिया के मान-मनुहार की रीत सदा से रही है। त्योहारी खुशियां, घर की लाडलियों की मुस्कुराहटों के बिना अधूरी सी लगती हैं। इतना ही नहीं, बिटिया को देवी स्वरूप मानकर पूजन का भी रिवाज है। मां आदिशक्ति की उपासना के ये दिन बेटियों के सशक्त रूप और पूज्यनीय स्थान को ही याद दिलाते हैं। सुखद है कि बेटियां आज कोमलांगी रूप में स्नेह-मान ही नहीं पा रहीं, उनका सशक्त स्वरूप आर्म्ड फोर्सेस से लेकर खेलों की दुनिया तक भी स्पष्ट दिखता है। ऐसे में मां शक्ति की अर्चना के उत्सव में कन्या पूजन की रीत, बेटियों से सशक्त व्यक्तित्व की स्वीकार्यता और स्नेह जताने के भाव से ही जुड़ी है। वहीं पंडालों में मां शक्ति के समक्ष नत होने का भाव स्त्री शक्ति के सामर्थ्य का सुंदर उत्सव सा है।

शक्ति पूजन से जुड़ा रिवाज: बेटियों को देवी का रूप मानकर पूजन करने की रीत मात्र एक रिवाज भर नहीं है। यह स्त्री शक्ति को मान देने की रीत भी है। मां गौरी के सौम्य ही नहीं, रौद्र रूप तक की आराधना का भाव लिए है। शक्ति के प्रति भय नहीं, भावपूर्ण जुड़ाव की झांकी-सा है। असल में नवरात्रों में कन्या का पूजन करने के पीछे बेटियों को सर्वविद्या स्वरूपिणी मानने की आस्था भी है। यही वजह है कि हमारे शास्त्रों में भी मां गौरी स्वरूप मानते हुए बालिकाओं के पूजन को बहुत अहमियत दी गई है। इसका एक प्यारा और प्रगतिशील पक्ष यह भी है कि इससे धार्मिक ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक पहलू भी जुड़े हैं। सामाजिक रूप से कन्या पूजन में कोई जाति भेद ना रखना, रेखांकित करने वाली बात है। वहीं परिवार में भी बिटिया को समान अधिकार और परवरिश मिलने की सोच को बल मिलता है। धार्मिक मोर्चे पर यह मातृ शक्ति के रूप में स्त्री के सामर्थ्य को मान देने का पहलू लिए है।

साहस और सफलता की स्वीकार्यता: असल में नवरात्र शब्द संस्कृत के 'नव' और 'रात्र' से बना है। यहां नव का अर्थ नौ और रात्र यानी रातें है। माता दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों को समर्पित नौ रातों में आस्था और उत्सव की रौनक हर ओर दिखती है। उपवास और आराधना के ये दिन भीतरी बदलाव के भी प्रतीक हैं। यह पर्व राक्षस महिषासुर पर मां शक्ति की विजय का स्मरण करवाता है। यह जीत स्त्री शक्ति और उनके मान के मायने समझाती है। माता भगवती के नौ शक्तिशाली रूपों के सम्मान का भाव कहीं न कहीं महिलाओं के सम्मान और समानता की सोच को भी पोसता है। व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो आज हर ओर स्त्रियों की सशक्त उपस्थिति दिखती है। यह मौजूदगी उनके सबल होने का ही प्रतीक है। भारत में महिलाओं की कुल आबादी लगभग 66.3 करोड़ है। इनमें हर आयुवर्ग की स्त्रियां शामिल हैं। महिलाओं के कुल आबादी में से करीब 45 करोड़ महिलाओं की उम्र 15 से 64 वर्ष के बीच है। देश की श्रमशक्ति में अहम हिस्सेदारी निभाने वाली युवतियां हों या परीक्षाओं में अव्वल आने वाली बेटियां, महिलाएं राष्ट्र की रीढ़ बनी हुई हैं। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में मेडल बटोरने वाली लाडलियां हों या सैन्य मोर्चे पर डटीं बेटियां, ये शक्तिस्वरूपा बन परिवार का ही नहीं, देश का भी मान बढ़ा रही हैं। ग्लोबल मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं आत्मविश्वास से लबरेज नजर आती हैं। स्टार्टअप्स की बात हो या सफल उद्यमियों की, महिलाएं अहम भूमिकाओं में दिख रही हैं। सुखद है कि देश की श्रमशक्ति का हिस्सा बनी स्त्रियों के साहस और सफलता की समग्र समाज में स्वीकार्यता दिखती है। वहीं घर-परिवार को थामने वाली स्त्रियों की भागीदारी और संघर्ष को भी समझा और मन से मान दिया जाने लगा है।

विचार और व्यवहार का परिष्करण: नवरात्र का पर्व समाज में वैचारिक चेतना भी जगाता है। मां की उपासना के इन दिनों में आध्यात्मिक और मानसिक ऊर्जा के उपार्जन को बल मिलता है। पूजन-अर्चन का यह जीवंत उत्सव सकारात्मक सोच और आत्मशुद्धि की ओर प्रवृत्त करता है। 'या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते' श्लोक के अनुसार-देवी तुम चेतना के रूप में सभी जीवों में स्थित हो। यह भाव मां की सर्वव्यापकता और चेतनामयी उपस्थिति को समझाता है। आराधना से जुड़ा यह भाव इंसानी मन को चैतन्य बनाता है। अपने परिवेश और प्रकृति से जोड़ता है।

पूजन करने की परंपरा को कंजक कहा जाता है। बंगाल में तो छोटी-छोटी बच्चियों को भी मां कह कर बुलाया जाता है। वहां छठवें दिन मां आदि शक्ति के आह्वान से शुरू होने वाला यह पूजन-अर्चन का उत्सव, दसवें दिन तक चलता है। यहां भी मां गौरी को बेटी के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि माता दुर्गा, इन दिनों ससुराल से मायके आती हैं। आज जब बेटियों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है, नवरात्र के पर्व से जुड़ी आस्था का भाव उनकी सुरक्षा-सम्मान दोनों का संदेश देता है। कंजक के रूप में छोटी बच्चियों से लेकर मायके आने वाली बिटिया के मान-मनुहार तक, बेटियों को अपना मानने और उनका मान बनाए रखने की साझी रीत को लिए है।

नेह-सम्मान का साझा भाव

बेटियां समाज की साझी होती है। उनका मान पूरे समाज की जिम्मेदारी है। संभवतः इसीलिए मां शक्ति की उपासना में, आस-पड़ास और समाज की नौ कन्याओं को भोजन करवाने का रिवाज जुड़ा है। देवी का रूप मानकर कन्या

विचार और व्यवहार के इस परिष्करण से भी स्त्रियों के प्रति मान का भाव बढ़ा है। वहीं आत्मिक ऊर्जा जुटाकर स्त्रियां सबल बन रही हैं, अपने लक्ष्यों तक पहुंच रही हैं। महिलाएं तो विवेक रूपी अस्त्र का प्रयोग कर रूढ़िवादी बंधनों से खुद को मुक्त कर ही रही हैं, समाज भी उनके जाग्रत अस्तित्व को सम्मान देने लगा है। स्त्री शक्ति चेतनामयी बन जीवन के अंतर्द्वंद्वों पर विजय पा रही है। परिवार में भी सधी सोच की सजगता से दमकते बहू-बेटियों के व्यक्तित्व को सराहा जाने लगा है। नवरात्र, मां आदिशक्ति की उपासना का आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व जरूर है पर हर क्षेत्र में भागीदारी दर्ज करवाती महिलाओं के सामर्थ्य और बुराइयों का प्रतिकार करने की उनकी सोच हमें स्त्री शक्ति के वास्तविक स्वरूप से भी मिलवाती है।

नवरात्रों में ऐसे करें देवी पूजन सिद्ध होंगी सभी मनोकामनाएं

नवरात्रों में देवी पूजन का विशेष महत्व है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। अगर आप इस दौरान शास्त्रोक्त विधान से पूजन करेंगी तो देवी माता की विशेष कृपा आपके पूरे परिवार को प्राप्त होगी।

पूजन-विधान

अनिता जैन, वास्तुविद

मां आदिशक्ति भवानी की उपासना, शक्ति की साधना, ऋतुओं के संधिकाल में पड़ने वाला आध्यात्मिक ऊर्जा के संचयन का महापर्व, शारदीय नवरात्र कल (22 सितंबर, सोमवार) से शुरू हो चुका है। आगामी 2 अक्टूबर, मंगलवार को विजय दशमी के साथ इसका समापन होगा।

मां दुर्गा की महिमा: नवरात्र के इन पावन दिनों में मां के भक्त परब्रह्म शक्ति की उपासना करके स्वयं को और अपने परिवार को दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति दिला सकते हैं। देवी भागवत के अनुसार दुर्गा ही ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के रूप में सृष्टि का सृजन, पालन और संहार करती हैं। भगवान शिव के कहने पर रक्तबीज शुंभ-निशुंभ, मधु-कैटभ आदि दानवों का संहार करने के लिए देवी पार्वती ने असंख्य रूप धारण किए, लेकिन देवी के प्रमुख नौ रूपों (मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री) की पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्र का हर दिन देवी मां के विशेष रूप को समर्पित होता है, हर स्वरूप की उपासना करने से अलग-अलग प्रकार के मनोरथ पूर्ण होते हैं। शास्त्रों की मान्यता है कि देवी इन नौ दिनों में पृथ्वी पर आकर अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर कर, उन्हें सुख-सौभाग्य, विद्या और दीर्घायु का वरदान प्रदान करती हैं। इसलिए नवरात्र, माता भगवती की साधना का सर्वोत्तम समय होता है। नवरात्र के नौ दिनों में पांच ज्ञान इंद्रियां, पांच कर्म इंद्रियां और एक मन, इन ग्यारह को जो संचालित करती हैं, वही परम शक्ति हैं। यह जीवात्मा, परमात्मा, भूताकाश, चित्ताकाश और चिदाकाश में सर्वव्यापी हैं। इनकी श्रद्धाभाव से आराधना की जाए तो चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ऐसे करें देवी पूजन: नवरात्रों में प्रतिदिन प्रातः घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाएं और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताजे पत्तों का तोरण लगाएं। मान्यता है कि माता की पूजा के दौरान देवी के साथ तामसिक शक्तियां भी घर में प्रवेश करती हैं, लेकिन मुख्यद्वार पर बंदनवार लगी होने के कारण तामसिक शक्तियां घर के बाहर ही रहती हैं। इस दिन सुबह स्नानादि करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या फिर आसन पर, स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए। मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं, जौ समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। मां की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मंत्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे' से पूजा कर सकते हैं और यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। माता शक्ति का यह मंत्र अमोघ है। अगर संभव हो सके तो देवी को श्रंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरूर चढ़ाएं। अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए 'ॐ दीप ज्योतिः परब्रह्म दीप ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु में पापं पूजा दीप नमोस्तुते' यह मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी मां की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, सुख-शांति आती हैं।

● देवी मां के इन मंत्रों का करें जाप

मान्यता है कि अगर नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के मंत्रों का जाप पूरे भक्तिभाव से किया जाए तो व्यक्ति को विशेष फल की प्राप्ति होती है, जीवन भय एवं बाधारहित हो जाता है और साथ ही समस्त सुखों की प्राप्ति होती है।

- सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
  शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।।
- ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
  दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।
- ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै।

अनुभूति

सरस्वती रमेश

परिवार की अनमोल रत्न हैं बेटियां

बेटियां घर-परिवार की वो खुशबू होती हैं, जो सबको अपनेपन से बांधे रखती हैं। सबको आपस में जोड़, घर की ताकत बढ़ाती हैं बेटियां। ऐसे में बेटियां इस बात की हकदार हैं, उन्हें हर परिवार में प्यार-दुलार और मान-सम्मान मिले।

जिस घर में बेटियां होती हैं, वह घर हमेशा प्रेम-स्नेह से सराबोर रहता है। एक भीनी-भीनी आत्मीय सुगंध परिवार के हर सदस्य को मिलती रहती है। जिस तरह गुलाब के फूल पूरे चमन की खूबसूरती को बढ़ा देते हैं, ठीक ऐसे ही बेटियां, घर-आंगन की रौनक बढ़ा देती हैं। बेटियां परिवार, रिश्तों और भावनाओं को बड़ी तन्मयता से अपने स्नेह के जल से सिंचित करती हैं।

बेटियों से रोशन हैं रिश्ते: बेटियां घर की रौनक होती हैं। बचपन में वो अपनी मासूम हंसी और आत्मीय बातों से सबका मन मोह लेती हैं। बड़ी होने पर अपनी परवाह और देखभाल से सबकी चहेती बन जाती हैं। शादी के बाद यादों में बस कर माता-पिता, दादा-दादी सबकी आंखों में आंसू छलका देती हैं। पहले घर के कामों में आगे बढ़कर मां का हाथ बंटाती हैं, फिर शादी होने के बाद संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ले जाती हैं। ससुराल और मायके के बीच पुल बनकर दो परिवारों को जोड़ती हैं। इस तरह सदियों से चली आ रही सामाजिक परंपरा की धारा को अनवरत जारी रखती हैं। बेटियां, एक रिश्ते में कई रिश्तों के अहसास दिलाती हैं। हर रिश्ते में प्यार की मिठास घोलती हैं बेटियां।

सबकी परवाह करती हैं: पारिवारिक फिल्मों में ऐसे दृश्य खूब दिखाई देते हैं, जिसमें परिवार के सभी सदस्य घर के किसी काम के लिए छोटी या बड़ी बेटी को ही बुलाते हैं। उन्हें पता है कि उनका काम बेटी जरूर कर देगी। बेटी भी खुशी-खुशी मम्मी-पापा, दादा-दादी, काका-काकी की पुकार पर दौड़ी चली आती है। ये सिर्फ फिल्मों के दृश्य नहीं हैं। आज भी हमारे भारतीय परिवारों में रिश्ते-नातों से प्रेम बेटा-बेटी दोनों करते तो हैं, लेकिन बेटी के प्रेम में करुणा, ममता और सेवाभाव भी होता है। पापा की छोटी-मोटी चीजें, दादाजी का चश्मा और दादी की जोड़ों के दर्द की दवाएं यदि खो गई हैं तो उसे बेटी ही ढूंढ कर लाती है।

घर को सजाती है बेटियां: घर को सहेजने, संवारने में बेटियां जी-जान लगा देती हैं। परिवार से रिश्ता गांठने वाली बेटियां घर के कोने-कोने से संबंध बना लेती हैं। तो हमारी यह जिम्मेदारी बनती है, बेटियों का मान-सम्मान करने के साथ ही, उनके मन को समझने की कोशिश करें। ससुराल जाने के बाद भी उन्हें वही पुराना दुलार-प्यार जीवन भर दें।

● बेटी दिवस का संदेश

बेटियां माता-पिता के जीवन की सबसे अनमोल रत्न होती हैं। फिर ऐसा क्यों है कि घर-परिवार और समाज में पीड़ित, प्रताड़ित होने की खबरें आए दिन अखबारों की सुर्खियां बनती हैं। दरअसल, सदियों से चली आ रही ये रीतियां गलत हैं। इन्हें बदलने की पहल हमको, आपको ही करनी होगी। यह हमारी और समाज की जिम्मेदारी है कि उन्हें घर-परिवार में आदर के साथ बराबरी का अधिकार मिले। जिस घर को संवारने में उन्होंने अपना तन-मन लगाया, उस घर की संपत्ति में उन्हें भी बराबर का हक दिया जाए, जिससे किसी मुसीबत में पड़ने पर जब भी वो ससुराल से मायके लौटें तो अपना घर समझ कर लौटें। तो बेटी दिवस (28 सितंबर) पर आप भी संकल्प लें, अपने घर की बेटियों को बिना किसी बंधन या रूढ़ियों के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की आजादी देंगे। बेटी दिवस मनाने के पीछे संदेश भी यही है।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. संजय कुमार चुग
एचओडी-कॉर्डियोलॉजी
नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम

स्पेशल: वर्ल्ड हार्ट-डे, 29 सितंबर

बिगड़ते लाइफस्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट, ओवर वर्कप्रेशर और अन्य कई कारणों से अब महिलाएं भी बड़ी संख्या में हार्ट डिजीज से ग्रस्त हो रही हैं। इसके कारण, प्रमुख लक्षण और बचाव के बारे में आपको दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

तब आपका हार्ट रहेगा हेल्दी

आज के दौर में अनहेल्दी डाइट और गलत लाइफस्टाइल के कारण पुरुषों से अधिक महिलाओं में हार्ट डिजीज की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भी हार्ट डिजीज महिलाओं में मौत का प्रमुख कारण बन चुका है, जो पुरुषों की तुलना में अब और भी ज्यादा जानलेवा साबित हो रहा है।

प्रमुख कारण: महिलाओं में हार्ट डिजीज के केसेस बढ़ने के कई कारण हैं। खान-पान पर जरूरी ध्यान ना दिया जाने के अलावा मोटापा भी हार्ट डिजीज का कारण बन सकता है। हाल के वर्षों में भारतीय महिलाओं में मोटापे की दर 40% से अधिक हो चुकी है। मॉडर्न लाइफस्टाइल के कारण महिलाएं अपनी डाइट और हेल्थ-फिटनेस का ध्यान नहीं रख पाती हैं। खासतौर पर डेस्क जॉब करने वाली वर्किंग वूमेन, जो लंबे समय तक इनएक्टिव रहती हैं, अगर वे रेग्युलर एक्सरसाइज न करें तो भी हार्ट डिजीज होने का रिस्क बढ़ जाता है। वर्क फ्रॉम होम का ट्रेंड बढ़ने से जॉब करने वाले प्रोफेशनल्स (पुरुष के साथ महिलाएं भी) को 8 घंटे के बजाय 12-14 घंटे तक लगातर काम करना पड़ता है। हाई प्रेशर जॉब और कम समय में टारगेट पूरा करने जैसी स्थिति में तनाव-हाइपरटेंशन से शरीर में मौजूद कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल बढ़ जाता है। यह भी हार्ट हेल्थ के लिए नुकसानदायक होता है। इसके अलावा पिज्जा, बर्गर, नूडल्स जैसे जंक फूड खाना भी हार्मफुल है। इसके साथ ही स्मोकिंग एल्कोहल जैसी चीजों का सेवन करने से भी हार्ट ब्लॉकेज की समस्या हो सकती है। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम हो जाता है, जो हार्ट को सुरक्षा प्रदान करता है। इसी वजह से 50 वर्ष की आयु के बाद अनेक महिलाओं में हार्ट डिजीज का खतरा दोगुना हो जाता है। इसके साथ ही शुगर और थायरॉइड की समस्या भी हार्ट डिजीज के कारणों में से एक है।

प्रमुख लक्षण: महिलाओं में हार्ट डिजीज के लक्षण पुरुषों से अलग होते हैं, जिसके कारण इसके लक्षणों को पहचानने में देरी हो जाती है। महिलाएं इसके लक्षणों को सामान्य थकान या पाचन संबंधी समस्या समझ लेती हैं। आमतौर पर उन्हें सीने में तेज दर्द के बजाय हल्का दर्द, दबाव, जलन या भारीपन महसूस होता है, जो बाएं हाथ, गर्दन, जबड़े या पीठ तक फैल सकता है। सांस लेने में तकलीफ, सांस फूलना, चक्कर आना, अचानक ज्यादा थकान महसूस होना, जी मिचलाना, उल्टी, पेट में दर्द, नींद न आना, चिंता, घबराहट, ठंडा पसीना या अनियमित धड़कन का तेज होना, इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। यदि ये लक्षण 20-30 मिनट से अधिक रहें, तो तुरंत डॉक्टर से सहायता लें। महिलाओं में हार्ट डिजीज अकसर 'साइलेंट' होता है।

बचाव एवं उपचार: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, लाइफस्टाइल में बदलाव लाकर कॉर्डियो वैस्कुलर डिजीज को कंट्रोल किया जा सकता है। अपनी डाइट में मौसमी फल, सब्जियां, साबुत अनाज, नट्स और हर तरह की दालों को शामिल करें। नमक, चीनी, घी, तेल और मिर्च-मसालों का सीमित इस्तेमाल करें। नियमित रूप से योग, व्यायाम और एक्सरसाइज करें। स्विमिंग भी दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होता है। ऐसी एक्टिविटीज की वजह से वजन और ब्लडप्रेशर कंट्रोल रहता है, जो हार्ट डिजीज से बचाव में मददगार साबित होता है।

प्रस्तुति: विनीता कुमारी

मेकअप

ललिता गोयल

मेकअप करें ऐसे कि फंक्शन में आप दिखें सबसे अलग-गॉर्जियस

नवरात्र के दौरान युवतियां और टीनएजर गर्ल्स गरबा और डांडिया फंक्शन में शामिल होने के लिए मचलने लगती हैं। इस खास अवसर पर महिलाएं ट्रेडिशनल आउटफिट पहनती हैं। इसके साथ आपको अपने मेकअप पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकि खूबसूरत मेकअप ही आपके लुक में चार चांद लगाता है। अगर आप भी गरबा नाइट के दौरान खुद को सबसे अलग और गॉर्जियस दिखाना चाहती हैं तो यहां बताए जा रहे टिप्स को फॉलो करें।

फेस क्लीनिंग: डांडिया फंक्शन के लिए मेकअप ऐसा होना चाहिए, जो पसीने से बहे भी नहीं और ज्यादा देर तक टिका भी रहे। इसके लिए मेकअप से पहले चेहरे को क्लींजर से साफ करें और क्लीन फेस पर आइस पैक से मसाज करना भी ना भूलें।

वाटर-बेस्ड प्रोडक्ट्स: गरबा या डांडिया नाइट फंक्शन में शामिल होने के लिए वाटरप्रूफ मेकअप ही अप्लाई करें, क्योंकि अगर मेकअप वाटरप्रूफ नहीं हुआ तो गरबा खेलते हुए पसीना आने से फेस का लुक खराब हो सकता है। वाटर-बेस्ड मेकअप प्रोडक्ट्स अच्छे रहते हैं क्योंकि ये काफी लाइट होते हैं।

सबसे पहले बेस बनाएं: मेकअप शुरू करने से पहले अच्छा फेस प्राइमर जरूर लगाएं। प्राइमर, मेकअप को लंबे समय तक टिके रहने में मदद करता है। प्राइमर लगाने के बाद चेहरे, गले और बैक पर एसपीएफ फ्री फाउंडेशन से बेस बनाए।

कंसीलर यूज करें: मेकअप करते समय चेहरे के दाग-धब्बों को छिपाने के लिए करेक्टर या कंसीलर का इस्तेमाल करें। इसके बाद कॉम्पेक्ट पावडर लगाएं।

ब्लश से शाइनिंग लुक: चेहरे को शाइनिंग लुक देने के लिए चीक्स पर आगे की तरफ से ब्लशर को आउटर चीक्स की तरफ ब्लेंड करें।

लिपस्टिक: गरबा नाइट में तैयार होने के लिए लाइट पीच, न्यूड शेड, लाइट ऑरेंज, कलर की लिपस्टिक का शेड बेहद खूबसूरत लगता है। ये शेड्स पूरे लुक में निखार लाते हैं। लाइट आई शैडो के साथ डार्क कलर की लिपस्टिक लगाएं और डार्क आई शैडो के साथ लाइट कलर की लिपस्टिक लगाएं, यह स्टनिंग लुक देगा।

आई मेकअप: आंखों का मेकअप करने के लिए सबसे पहले वाटर प्रूफ जैल आईलाइनर से आंखों के ऊपरी किनारे पर विंग्ड या स्मज लुक दें। वाटरलाइन पर काजल लगाएं, लेकिन ध्यान रखें कि वह स्मज-प्रूफ हो। इसके बाद वाटर प्रूफ मस्कारा लगाएं। आंखों का मेकअप करते समय अपनी ड्रेस से मैच करता हुआ आईशैडो यूज करें। आई मेकअप को कॉम्प्लीमेंट करने के लिए हल्की आई पेंसिल आईब्रोज पर अप्लाई करें। अंत में मेकअप सेटिंग स्प्रे का यूज करें।

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

मांदी गांव में ट्यूबवेल से केबल चोरी

नारनौल। मांदी गांव में चोरों ने एक ट्यूबवेल से हजारों रुपये का फव्वारों का सामान व केबल चुरा ले गए। पीड़ित ने बताया कि एक साल पूर्व भी इसी ट्यूबवेल पर चोरी हुई थी। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव मांदी के मधुसूदन ने बताया कि उसका हाईवे के पास खेत है, जिसमें ट्यूबवेल है। इस ट्यूबवेल पर बनी कोटडी व उसके पास उसने फव्वारों का सेट रखा हुआ था। बीती रात को चोरों ने उसके ट्यूबवेल पर रखे फव्वारों से उनमें तांबा का सामान चुरा लिया। वहीं कुएं की करीब 50 मीटर केबल भी चुरा ली। इस प्रकार चोरों ने करीब 20 हजार रुपये का सामान चुरा लिया। इस बारे में मधुसूदन ने बताया कि उसके खेत में एक साल पहले करीब डेढ़ लाख रुपये की चोरी हो गई थी। उस समय भी चोर उसके खेत से फव्वारा सेट, केबल व अन्य सामान चुरा ले गए थे।

मां भवानी मंदिर में नवरात्र पर शोभायात्रा

महेंद्रगढ़। सिद्ध पीठ माता भूरा भवानी मंदिर में महंत शक्तिनाथ महाराज के सानिध्य में श्रद्धालओं ने शोभायात्रा निकाली, जिसमें महिला ने कलश उठाकर एवं पुरुष ध्वजा लेकर डीजे के साथ माता रानी के जयकारे लगाते हुए मंदिर से चलकर गांव सिसोठ के मुख्य मार्गों से मंदिर में शोभायात्रा समाप्त हुई। इस मौके पर सरपंच वीरेंद्र यादव, प्रधान संदीप यादव, सचिव मास्टर अनिल सिसोठिया, कोषाध्यक्ष परमजीत, प्रेस सचिव मुकेश चौहान, सदस्य शिवकुमार, ललित यादव, सुनील कुमार, आनंद, राजन, राजू शर्मा, पुजारी रतनलाल शर्मा, देवेन्द्र, रजनीश, संदीप यादव, रणधीर, मदनलाल ने शोभा यात्रा में शामिल हुए।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के अंतर्गत 'जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर चेयर फॉर ह्यूमन राइट्स' द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस व्याख्यान में विधि पीठ के अधिष्ठाता एवं विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम न्यायमूर्ति वीआर कृष्णा अय्यर को श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित किया।

तहसीलदार ने सुनी लोगों की समस्याएं

मंडी अटेली। सेवा पर्व पखवाड़े के अंतर्गत अटेली राजस्व विभाग की ओर से जिला महेंद्रगढ़ प्रशासन के सौजन्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें तहसीलदार पायल यादव ने लोगों की राजस्व संबंधी समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान केवल आठ लोग ही अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। तहसीलदार ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल निपटान के निर्देश दिए। कुछ मामलों का निस्तारण वहीं कर दिया गया, शेष को नियमानुसार आगे बढ़ाया जाएगा। राजस्व विभाग ने पहले ही गांव गांव चौकीदारों के माध्यम से शिविर की सूचना दी थी, फिर भी अपेक्षाकृत कम लोग पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार संभवत अधिकांश प्रकरण नियमित प्रक्रिया से निपट चुके थे।

रोहतक में इनेलो की जनसभा 25 सितंबर को

कनीना। 25 सितंबर को रोहतक की नई अनाज मंडी में आयोजित होने वाली जनसभा को लेकर अटेली हलका युवा प्रधान सुधीर यादव एडवोकेट ने कनीना विकास खंड के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को निमंत्रण दिया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की स्मृति में आयोजित इस सम्मान दिवस की रैली में इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला मुख्य वक्ता होंगे। इनेलो पार्टी अपने पुराने अंदाज में लौट रही है। अटेली से हजारों की संख्या में युवा इस रैली में पहुंचेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

नवरात्र विशेष : महासर माता मंदिर विशेष रूप से सजाया, मेला शुरू

नवमीं तक लगा रहेगा श्रद्धालुओं का ताता

नवजात शिशुओं का करवाया मुंडन नवविवाहितों ने दी गठजोड़े की जात

- देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालुओं ने मांगी मन्नतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। गढ़ी महासर स्थित माता मंदिर में लाइन में लगे श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव गढ़ी महासर स्थित महासर माता का नवरात्रों के शुभारंभ पर मेला शुरू हो गया है। सप्तमी के मौके पर दरबार में भक्तजनों को ताता शुरू हो गया है। मेले में अपनी कुल देवी के स्थान पर देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों की संख्या में भक्तों ने पूजा अर्चना कर मिन्नतें मांगते है। नवजात शिशुओं का मुंडन व नवविवाहिता ने गठजोड़े की जात लगाई। माता के दरबार में से जात जडूले ज्यादा उतारे जाते है तथा नवमी तक यह सिलसिला जारी रहता है। माता पर समाजसेवी श्रीधर गुप्ता निर्माता के रूप में महासर माता धाम नामक मूवी मुंबई से आए कलाकारों की टीम की ओर से शूटिंग इन दिनों गांव महासर व आसपास के गांवों में चल रही है तथा इसके डायरेक्टर सन्नी अग्रवाल है।

इस स्थान पर किवदंती है कि यहां पर दुर्गा माता मंदिर में पांडवों ने अपना खोया हुआ वैभव पाने के लिए द्वारिकाधीश के आदेश पर पर पूजा अर्चना की थी। इस मेले में आसपास के क्षेत्रों के ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न कोनो से श्रद्धालु भक्त आकर माता के दरबार में अपनी मिन्नतें मांगते है। वर्तमान में माता के स्थान पर सिद्धपीठ मां महासर दुर्गा माता मंदिर निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्रीधर गुप्ता ने बताया कि मंदिर का जीर्णोद्धार के बाद अब सरोवर को नया रूप में दिया जा रहा है। मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य जनवरी 2010 में शुरू हुआ था, जो अब भव्य रूप से बन गया है। इसके अलावा शिव मंदिर का जीर्णोदार किया जाएगा। महासर धाम स्थित मंदिर के पुजारी श्रवण ने बताया कि वैष्णो देवी की तरह ही पिंडी रूप में प्रकट हुई थी। यह मंदिर करीब एक हजार साल पुराना है। मंदिर में साल के दो नवरात्रों में भव्य मेले लगते है तथा देश के विभिन्न कोनों से लाखों भक्त श्रद्धापूर्वक यहां आकर अपनी मिन्नते मांगते है। मंदिर में आने वाले भक्तजनों की सुविधा के लिए मंदिर के समीप साल के हर दिन भंडारा चलता रहता है। साढ़े पांच हजार वर्ष पहले लाक्ष्य ग्रह में पांडवों को जलाने पर विदुर नीति से पांडव बाहर निकले थे तथा श्री कृष्ण के कहने पर जीवन में सफलता व अच्छे जीवन व्यतीत के लिए 51 शिव की पीठ है तथा 51 ही सिद्ध देवी की पीठ का दर्शन करने पर आपको लाभ व सुख मिलेगा। साथ ही आर्यावर्त की भौगोलिक जानकारी व दूसरी जानकारी मिलेगी। इसके बाद पांडवों ने सबसे पहले वैष्णो देवी व माहेश्वरी पीठ के दर्शन किए थे।

28 व 29 सितंबर को लगेगा मुख्य मेला

मुख्य मेला 28 व 29 सितंबर को रहेगा। महासर धाम में लक्ष्मण दल की ओर से माता के स्थान पर भंडारा चल रहा है। दल की ओर से पिछले 65 वर्षों से माता के स्थान पर उनका परिवार भंडारा व माता के भक्तों की ओर सेवा करता है। भगवती भवन के मैनेजर रूपेश सिंह ने बताया कि मंदिर स्थल पर बने भगवती भवन में 70 कमरे बने हुए है। इसमें आने वाले भक्तों के लिए सुविधा प्रदान की जाती है। माता के स्थान पर सेवा करने वाले लक्ष्मण दल से राकेश अग्रवाल ने बताया कि उनकी तरफ से धर्मशाला में भक्तों के लिए भोजन, भंडारा व ठहरने की उचित सुविधा प्रदान की जाती है। प्रवीण शास्त्री ने बताया कि शारदीय नवरात्रे 22 सितंबर से एक अक्टूबर तक रहेंगे। मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था रहती है। निशान यात्रा 27 सितंबर पंचमी को दोपहर तीन बजे से राधा कृष्ण मंदिर से शुरू होकर पुराने बस स्टैंड होते हुए सात किलोमीटर लंबी महासर धाम तक पैदल यात्रा निकलेगी।

महेंद्रगढ़। विश्व पर्यटन सप्ताह के उद्घाटन पर कुलपति के साथ शिक्षक एवं विद्यार्थी।

कुलपति ने बताया महत्व

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में विश्व पर्यटन सप्ताह का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को विश्व पर्यटन सप्ताह का शुभारंभ हुआ। विवि के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के कार्यक्रम के अंतर्गत 26 सितम्बर तक पर्यटन के महत्त्व एवं सतत पर्यटन पद्धतियों पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने पर्यटन शिक्षा में व्यावहारिक ज्ञान के महत्त्व पर बल दिया। ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविकताओं को समझने में मदद मिलती है और इससे इवेंट मैनेजमेंट का महत्व स्पष्ट होता है। पहले दिन विश्वविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण-अनुकूल यात्रा एवं सतत गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

26 सितंबर तक अलग अलग कार्यक्रम

कार्यक्रम संयोजक डॉ. विकास सिवाच ने बताया कि आयोजन के दूसरे दिन सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित करने एवं युवाओं को देशी खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में तीसरे दिन ट्रेजर हंट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। आयोजन के चौथे दिन पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व के ढोसी तीर्थ स्थल का भ्रमण किया जाएगा। इसी दिन पर्यटन एवं सतत रूपांतरण विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. शिखा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनिल द्वारा प्रस्तुत किया गया। आयोजन सचिव डॉ. जितेन्द्र, डॉ. लोकेश एवं डॉ. अमित भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

भाजपा सेवा पखवाड़े के तहत बैठक में चर्चा

26 सितंबर को पीएम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान करेंगे भाजपाई करेंगे : प्रो. रामबिलास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेते पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बैठक जयराम सदन में हुई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने की।

प्रो. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में अनेक विकास योजनाएं बनाकर देश के प्रत्येक नागरिक को लाभान्वित किया है। उन्होंने अपना जीवन मानव कल्याण और समाज के उत्थान के लिए समर्पित किया है। यही कारण है कि भाजपा ने उनके जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने जानकारी दी कि 26 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि होंगे। इसके बाद सतनाली स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य देवेंद्र यादव, कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा उर्फ राजू, नगर पालिका के पूर्व प्रधान रमेश बोहरा, पाली के पूर्व सरपंच मलखान सिंह, विवेक खेरवाल, धर्मेंद्र सैनी, कुलदीप शर्मा, अमित मिश्रा, चिरंजीलाल गुर्जर व दशरथ सिंह चौहान मौजूद रहे।

सांसद धर्मबीर ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

खेड़की गांव के पशु औषधालय को अस्पताल में अपग्रेड करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खेड़की में स्थित पशु औषधालय। फोटो : हरिभूमि

गांव खेड़की के ग्रामीणों खासकर पशुपालकों ने पशुधन औषधालय को पशु अस्पताल में अपग्रेड करने की मांग की है। इस संदर्भ में सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। यह जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव खेड़की में एक पशु औषधालय स्थापित है। खेड़की में ही इलाके की एक बड़ी गोशाला भी स्थापित है। गोशाला की समिति के साथ-साथ गांव की पंचायत ने भी सांसद धर्मबीर सिंह को पत्र लिखकर निवेदन किया था कि गांव के पशु औषधालय को अपग्रेड करके पशु अस्पताल बनाया जाए। यहां की गोशाला में करीब एक हजार गोवंश रहता है। खेड़की मुख्य केंद्र है। पशु औषधालय को अपग्रेड करके पशु अस्पताल बनाया जाए।

आसपास के गांवों को भी मिलेगा फायदा

आसपास के तीन-चार गांवों में न ही कोई पशु औषधालय है तथा न ही पशु अस्पताल है। ऐसे में गोवंश के साथ-साथ यहां के साथ लगते तीन-चार गांवों के पशुधन की बेहतर देखभाल के लिए पशु अस्पताल की आवश्यकता है। इसी बात को लेकर सांसद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि खेड़की की गोशाला हरियाणा सरकार के गोसेवा आयोग से भी पंजीकृत है तथा आसपास के गांवों में भी पशुधन है।

सेवा पर्व का छठा दिन : आईटीआई की कार्यशाला व मैदान में सफाई अभियान

नारनौल। सेवा पर्व के तहत साफ सफाई करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सेवा पर्व के छठे दिन सोमवार को संस्थान में कार्यशाला व मैदान की सफाई की। इसमें स्टाफ से लेकर बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उप प्राचार्य जीवन जिंदल ने बच्चों को सफाई के महत्व को बताते हुए कहा कि सफाई हमें बीमारियों से दूर रखती है। इस अभियान के तहत स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सफाई को पूरे देश भर में बढ़ावा दे रहे हैं, उनकी अगुवाई में सफाई अभियान आज राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। इस अवसर पर संविधान संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। अनुदेशक नीरज यादव ने संविधान के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला व बच्चों को संविधान पढ़ने तथा उसकी समझ विकसित करने पर जोर दिया। इस दौरान संस्थान में संविधान पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया। इस मौके पर वर्ग अनुदेशक सुनील कोसलिया, संस्थान में एनसीसी प्रभारी मेजर वीरेंद्र सेकवाल, कार्यालय अधीक्षक सत्यनारायण जांगड़ा, वर्ग अनुदेशक जगदीश, राजेश, गुरदयाल, अमित, मनीषा यादव, सुदर्शन, निशा, रितु, विद्युतकार अनुदेशक मनोज आदि मौजूद थे।

पटीकरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

नारनौल। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में 23 सितंबर को बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय पटीकरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए नोडल अधिकारी डॉ. कुलभूषण शर्मा ने बताया कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से हर वर्ष 23 सितम्बर को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष आयुर्वेद जन जन एवं पृथ्वी के कल्याण के लिए थीम पर आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एनसीआई एसएम के निर्देशानुसार व प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास गुज्जरवार के मार्गदर्शन में इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आयुष स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञों की ओर से निःशुल्क परामर्श व निःशुल्क औषधियां दी जाएंगी।

बएचकेआरएन के तहत बिजली निगम में थे कार्यरत

पत्नी के वियोग से पति ने लगाई फांसी पांच साल पहले हुई थी दूसरी शादी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दो पत्नियां मरने से था परेशान

साथी कर्मचारी प्रवीण कुमार ने बताया कि दोनों पत्नियां मरने के बाद वह डिप्रेशन में चला गया था। उसकी दूसरी पत्नी सुमन की मौत के बाद से वह परेशान हो गया था। जिसके कारण वह बार बार अपने साथियों से कहता था कि अब वह किस के सहारे जीवन बिताएगा। दोनों पत्नियों की मौत के बाद अब उससे कौन शादी करेगा। साथी कर्मचारियों ने बताया कि वह अपने बच्चों के लालन पालन के लिए भी परेशान था तथा कहता था कि बच्चों की जिम्मेवारी कैसे वह वहन कर पाएगा। मृतक सचिन के माता पिता है, जो बुजुर्ग हो गए हैं तथा पिता बीमार रहते हैं। वहीं मृतक के एक बड़ा भाई भी है, जिसकी शादी नहीं हुई है।

पत्नी के वियोग में पति ने पत्नी की मौत के करीब 25 दिन बाद ही फांसी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक बिजली निगम में एचकेआरएन के तहत लगा हुआ था। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार शहर के केशव नगर गली नंबर तीन में रहने वाले दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में एचकेआरएन कर्मचारी सचिन कुमार ने रविवार शाम को अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली, कर्मचारी कोजिंदा गांव में लाइनमैन लगा हुआ था। मृतक की पत्नी सुमन ने 27 अगस्त को कमरे में फांसी का बंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

मृतक के ताऊ के लड़के प्रदीप ने बताया कि पत्नी की मौत के बाद वह परेशान हो गया था। बच्चों का लालन पालन करने के लिए परेशान था, परिजनों तथा उसके मिलने वालों ने कई बार उसको समझाया भी, लेकिन उसने अकेले में यह कदम उठा लिया। मृतक सचिन कुमार की दो शादियां हुई थी।

मृतक के तीन बच्चे : मृतक सचिन कुमार के तीन बच्चे हैं। पहली पत्नी से करीब आठ साल की लड़की अवनी है, जो एक निजी स्कूल में कक्षा तीसरी में पढ़ाई करती है। वहीं दूसरी पत्नी से उसके दो बच्चे हुए। जिसमें तीन साल की लड़की कंचन व 14 माह का लड़का कान्हा है। तीन साल की कंचन का इस बार ही दाखिला प्री नर्सरी कक्षा में करवाया गया था।

सूरजकुंड: दीपावली मेला दो से 7 अक्टूबर तक

नारनौल। हरियाणा सरकार की ओर से आगामी दो से सात अक्टूबर तक सूरजकुंड फरीदाबाद में दीपावली मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे। इच्छुक उद्यमी अपने नाम एवं विवरण 23 सितंबर तक ad-mgh.msme@hry.gov.in ईमेल पर भेज सकते हैं। यह जानकारी देते हुए जिला एमएसएमई केंद्र के उप निदेशक संदीप ने बताया कि आगामी दो से सात अक्टूबर तक सूरजकुंड फरीदाबाद में आयोजित होने वाले दीपावली मेले में विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे। जिनमें कला एवं शिल्प, सजावटी सामान (लाइट, दीये, मोमबत्तियां), खाद्य स्टॉल, गिफ्ट पैक, आभूषण (मोती व कृत्रिम आभूषण), प्राकृतिक पौधे, खिलौने-खेल, बर्तन एवं क्रॉकरी आदि से संबंधित इकाइयों को प्राथमिकता दी जाएगी।

धर्म-कर्म प्रथम नवरात्र : मां चामुंडा देवी मंदिर से शुरू हुई, महोत्सव स्थल पुरानी कचहरी मैदान परिसर में पहुंची

दुर्गा महोत्सव : शहर में 3111 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

- मां चामुण्डा देवी मदिर से पुरानी कचहरी तक यात्रा, जगह- जगह भक्तों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कलश यात्रा को रवाना करते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन टाईगर क्लब परिवार की ओर से 22वें दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें 3111 महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रधान राकेश यादव ने बताया कि मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से यात्रा का सफल आयोजन हो गया। कलश यात्रा मां चामुण्डा देवी मंदिर से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए दुर्गा पूजा स्थल पुरानी कचहरी में संपन्न हुई। कलश यात्रा से पूर्व महोत्सव पुरोहित नारायण शास्त्री ने महोत्सव के मुख्य यजमान पवन यादव व उनकी पत्नी मुकेश यादव। इसके मुख्य यजमान संजय सैनी व उनकी पत्नी नप की पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी के साथ सभी यजमानों से पूजन अर्चना करवाई। भारती सैनी ने कहा कि नवरात्रों में जो भक्तजन मां की सच्चे मन से पूजा अर्चना करते है, मां अवश्य उनकी मनोकामना पूर्ण करती है। इस मौके पर नरेंद्र बंसी व संरक्षक संजय सैनी, सुरेंद्र यादव, प्रधान राकेश यादव, राजेश सैनी, कार्यक्रम संयोजक प्रवीण यादव, सह संयोजक विश्वास एडवोकेट, सुनील शर्मा, रवि खन्ना, ललित सैनी, कलश यात्रा प्रमुख टीटू सोनी की देखरेख में निकाली गई।

ढोल नगाड़ों पर झूमे श्रद्धालु

इस अवसर पर सुशीला सैनी ने माता की झांडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। प्रधान राकेश यादव ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव में 3100 कलशों से यात्रा निकालने का संकल्प लिया था, लेकिन मां अन्नपूर्णा व मां चामुण्डा देवी के आशीर्वाद से 3111 महिलाएं कलश उठाकर यात्रा में शामिल हुई। यह भव्य कलश यात्रा मां चामुंडा देवी मंदिर परिसर से आजाद चौक, मानक चौक, पुल बाजार से होते हुए महोत्सव स्थल पुरानी कचहरी मैदान में सम्पन्न हुई। विकास जांगिड़ ने बताया कि मां अन्नपूर्णा के भजनों व ढोल नगाड़ों के साथ सभी भक्तजन नाचते गाते महोत्सव स्थल पर पहुंचे। जहां राधा कृष्ण व शिव पार्वती की सुंदर झांकियों का लुत्फ उठाया।

1857 की क्रान्ति के अमर सेनानी राव तुलाराम के शहीदी दिवस पर विशेष

नारनौल। राव तुलाराम।

नसीबपुर के मैदान से शुरू हुई क्रांति की लड़ाई की कहानी आज भी खड़े कर देती है रोंगटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नसीबपुर का ऐतिहासिक मैदान हर वर्ष हमें उन शहीदों की याद दिलाता है, जिन्होंने हंसते-हंसते अपने भारत वर्ष के लिए प्राणों की आहुति दी। तब उन वीरों के साथ-साथ उन माताओं की भी याद आती है जिन्होंने देश को ऐसे सपूत दिए। प्रत्येक मां अपने सच्चे राना प्रतापों व शिवाजियों पर नाज किया करती है। इसी प्रकार सच्चे भारत मां को आज भी अपने उस अमर वीर केसरी राव तुलाराम पर गर्व है, जिसने उसकी गोद में जन्म लेकर उसके दूध को नहीं लजाया। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भारत मां को अंग्रेजों की दास्तां से छुड़ाने के लिए जहां तात्यां टोपे, रानी झांसी ने विद्रोह का बिगुल बजाया। यहां हरियाणा प्रदेश में रेवाड़ी नरेश राव तुलाराम ने भी अपने प्रदेश के नाम को ऊंचा बनाए रखने के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया तथा दुनिया की बड़ी शक्तिशाली हुकूमत से उन्होंने मुकाबला किया। वे स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी अद्वितीय विभूति थे।

आज शहीदी दिवस पर उनकी वीरता को याद किया जा रहा है। यह बात पूर्व मंत्री एवं नारनौल से विधायक ओमप्रकाश यादव ने सोमवार प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताई। उन्होंने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम 1857 में ही आरम्भ हो चुका था और समय-समय पर देशभक्तों ने अपने त्याग और बलिदान के द्वारा उसमें योगदान दिया और देश का मस्तक ऊंचा किया।

ऐसे ही देशभक्तों में राव तुलाराम थे, जिनका त्याग और बलिदान देश के स्वतंत्रता इतिहास में सदा अमर रहेगा। राव तुलाराम हरियाणा स्थित व दिल्ली से लगे रेवाड़ी के राजघराने में जन्में थे। उन्होंने कम उम्र में ही अपने पिता राव पूर्ण सिंह की मृत्यु के बाद रेवाड़ी राज्य की सत्ता संभाल ली तथा सैनिक शक्ति बढ़ाने की और ध्यान दिया 'ताकि विदेशी साम्राज्य से लोहा ले सकें। वे न किसी व्यक्ति के थे, न ही जाति विशेष के। राव तुलाराम को इस बात का श्रेय प्राप्त है कि उन्होंने अफगानिस्तान में प्रथम भारतीय स्वाधीनता सेना का गठन किया।

उन्होंने ईरान को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का संदेश दिया व रूस से संपर्क किया। इन्हीं नेताओं के आग्रह पर विदेशों से ईरान, अफगानिस्तान व रूस से मदद लेने के लिए जान हथेली पर रखकर उन देश में जा पहुंचे और आखिरी दम तक देश को आजाद कराने का प्रयत्न करते रहे। उसी समय उन्होंने काबुल में रहकर भारत से बचकर आए क्रांतिकारियों को पहली आजाद हिन्द फौज में उन्हें सम्मिलित किया।

भावी पीढ़ी को प्रेरणा देती है उनकी राष्ट्रभक्ति

उन्होंने बताया कि यह दुर्भाग्य की बात है कि उनका शरीर इतना कठिन श्रम व तनाव सहन कर सका और विदेश में उनका आल्पायु में ही 23 सितम्बर 1863 को देहांत हो गया। काबुल में बड़ा शोक मनाया गया और झंडे झुका दिए गए तथा सैनिक रीति से उनका दाह-संस्कार काबुल के दिल्ली गेट पर कर दिया गया। आज राव तुलाराम का नश्वर शरीर नहीं है, परन्तु उनका देश उनके वचन तथा अद्वितीय व्यक्तित्व के लिए उन्हें सदा याद किया जाता रहेगा। इस महान शहीद की पुण्य तिथि उस समय वीरगति को प्राप्त सभी शहीदों की याद दिलाती है तथा राष्ट्र व देश के प्रति निष्ठा जागृत करती है और भावी पीढ़ी को प्रेरणा देती है। राव तुलाराम का सारा जीवन बलिदान, त्याग, निर्भयता तथा तपस्या की प्रेम गाथा है।

गोकुलगढ़ में तोपे ढालने के कारखाने से की शुरुआत

उन्होंने बताया कि राव तुलाराम ने उसी समय आधुनिक हथियारों का महत्व समझ लिया था। अतः रेवाड़ी के पास गोकुलगढ़ में तोपें ढालने के कारखाने की शुरुआत की थी। राव तुलाराम ने वक्त-वक्त पर न सिर्फ बादुरशाह जफर को रुपया, रसद और सैनिक भेज भेजकर क्रांतिकारियों के मनोबल को बढ़ाया बल्कि राजपूताना व दिल्ली के निकटवर्ती राज्यों के राजाओं व नवाबों से सम्पर्क करके उन्होंने उन्हें अंग्रेजों के विरुद्ध संगठित किया। स्वयं उन्होंने अंग्रेजी फौज से कई लड़ाइयां बहुत बहादुरी लड़ी तथा दिल्ली पर अंग्रेजों का कब्जा होने पर भी हिम्मत नहीं हारी। बल्कि फिर से सभी क्रांतिकारी शक्तियों की इकट्ठा करके आखिरी मोर्चा नारनौल के निकट 16 नवम्बर 1857 के दिन नारनौल नसीबपुर के मैदान में अंग्रेजों के विरुद्ध मोर्चा जमाया और ऐसी वीरता से युद्ध लड़ा कि जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। इनके दो भाई देव कृष्ण गोपाल व राव रामलाल पांच हजार देशभक्तों के साथ वीरगति को प्राप्त हुए। राव तुलाराम बेहद जख्मी होकर भी, लड़ाई जारी रखते हुए बचे हुए साथियों सहित नाना साहब व तात्यां टोपे से काल्पी में जा मिले ताकि उनके साथ मिलकर स्वतंत्रता के संग्राम को जारी रखा जा सके।

खबर संक्षेप

आईजीयू परीक्षा परिणाम में छाए यदुवंशी के विद्यार्थी

नारनौल। हाल ही में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से एमए इग्लिश द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

हर बार की तरह इस बार भी यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने बहुत ही बेहतरीन परिणाम दिया। कॉलेज की छात्रा निधि पुत्री रामपाल ने विश्वविद्यालय में सातवां स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों का परिणाम भी बहुत ही सराहनीय रहा। इस उपलक्ष्य में यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी व अध्यापकों की सराहना की।

अटेली पुलिस ने किया ग्रामीणों को जागरूक

मंडी अटेली। जिले को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की ओर से चलाए जा रहे मेरा गांव नशा मुक्त गांव मुहिम रंग ला रही है। इस मुहिम के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अटेली पुलिस की ओर से अटाली में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक कर सेवा पखवाड़ा के तहत पौधा भी लगाया। अटेली थाना प्रभारी देवेंद्र ने ग्रामीणों के बीच एक वॉलीबॉल भी खेलकर युवाओं में जोश भरने का काम किया। अटेली थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस व जनता के आपसी सहयोग से नशे जैसी सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

डाकघर में पेंशन के लिए शेड्यूल जारी

नारनौल। प्रधान डाकघर में अगस्त माह की पेंशन 10 अक्टूबर तक वार्ड अनुसार सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक वितरित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए पोस्टमास्टर ने बताया कि वार्ड नंबर पांच की पेंशन 23 सितंबर को, वार्ड छह की 24 को, वार्ड आठ की 25 को, वार्ड नौ की 26 को, वार्ड 10 की 27 को, वार्ड 11 की 29 को व वार्ड 13 की 30 सितंबर को पेंशन वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 14 की एक अक्टूबर को, वार्ड नंबर 15 की तीन को, वार्ड 17 की चार को, वार्ड नंबर एक व 22 की छह को, वार्ड नंबर दो व 23 की सात को व वार्ड नंबर 27 की आठ अक्टूबर को पेंशन वितरित की जाएगी।

वाहनों पर चिपकाए रिफ्लेक्टर टेप

महेंद्रगढ़। यातायात पुलिस की ओर से वाहन चालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम लगाने का प्रयास किया जा रहा है। यातायात पुलिस ने सोमवार को राव तुलाराम चौक पर वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी और वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाए गए। उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए निर्देश दिए। यातायात निरीक्षक अनिल कुमार ने अपनी टीम के साथ वाहनों पर रिफलेक्टर टेप लगाने का अभियान चलाया। वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी।

परिसर की सड़कें बदहाल, बेतरतीब खड़े वाहनों से परेशानी

लघु सचिवालय में पार्किंग की नहीं उचित व्यवस्था, अधिवक्ता परेशान

■ एक वर्ष पूर्व खत्म हुआ था लघु सचिवालय की पार्किंग का कॉंट्रेक्ट जिम्मेदारों ने नहीं ली सुध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। लघु सचिवालय में बेतरतीब ढंग से खड़े वाहन। फोटो : हरिभूमि

लघुसचिवालय परिसर में पार्किंग व्यवस्था लंबे समय से अव्यवस्थित बनी हुई है। पार्किंग का कोई ठोस नियम न होने के कारण लोग अपने वाहन सचिवालय प्रांगण में कहीं भी खड़े कर जाते हैं। इससे आने-जाने वाले लोगों को न केवल भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है बल्कि सुरक्षा दृष्टि से भी यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। करीब एक वर्ष पहले लघु सचिवालय में पार्किंग का टेंडर समाप्त हो गया था। इसके बाद से जिम्मेदारों की ओर से पार्किंग का ठेका नहीं छोड़ा गया है।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त लघु सचिवालय तो बना, लेकिन यहां पार्किंग को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। जिम्मेदार पार्किंग का ठेका तो छोड़ देते है, लेकिन नियमों की पालना नहीं हो पाती। कोई स्थायी रूप से पार्किंग नहीं है। अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए टीनशेड के नीचे खड़ा कर देते है, लेकिन आमजन के लिए कोई स्थायी समाधान नहीं है। आमजन अपने कार्यों से आने वाले लोग अपने वाहनों को जहां सुविधा लगे वहीं खड़ा करके अपने कार्यों में व्यस्त हो जाते हैं। इधर-उधर खड़े ऐसे वाहनों के कारण दूसरे लोग परेशान होते रहते हैं।

लघु सचिवालय, तहसील कार्यालय, बार चैंबर, न्यायिक परिसर में 15 से 20 हजार लोग अपने कार्य के लिए आते है। पार्किंग नहीं होने के चलते आने लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उनका कहना है कि वाहन लगाने के लिए उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कोई जगह खाली नहीं मिलती तो लोग मजबूरी में गाड़ी सड़क किनारे या जहां जगह मिल जाए वहीं खड़ी कर देते हैं। इससे दूसरों को दिक्कत होती है और कभी-कभी वाहनों को नुकसान भी पहुंच जाता है। जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के संज्ञान में यह मामला है। प्रतिदिन जिला प्रशासन के अधिकारियों लघु सचिवालय में अव्यवस्थित तरीके के खड़े वाहनों को देखते है। लेकिन कोई कार्यवाहीं नही करते।

क्या कहते हैं अधिवक्ता

अधिवक्ताओं ने कहा कि एक वर्ष पहले पार्किंग बंद हो गई थी। इसके बाद से अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस बार अगर पार्किंग का टेंडर छोड़ा जाता है, तो नियम के हिसाब से छोड़ा जाए। पार्किंग के अंदर भी व्यक्ति की नियुक्ति लगाई जाए, ताकि आमजन को वाहन लगाने की जानकारी दे सके। पार्किंग शुरू करवाने को लेकर तत्कालीन एसडीएम अनिल कुमार को भी मांग पत्र सौंप चुके है। पार्किंग नहीं होने से लघु सचिवालय में वाहनों को इधर-उधर खड़ा करने से आमजन को परेशानी उठानी पड़ती है। अधिवक्ताओं ने अपने वाहनों को भी निकालने पर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। धिवक्ताओं ने कहा कि यदि पार्किंग की समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे मजबूर होकर ठोस कदम उठाएंगे।

आदर्श रामलीला में हुआ दिग्विजय लीला का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। लीला का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

श्री आदर्श रामलीला कमेटी के रंगमंच पर दिग्विजय लीला का मंचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव व अध्यक्षता युवा भाजपा नेता एवं किसान मोर्चा के अध्यक्ष पवन खैरवाल ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अग्रवाल सभा के पूर्व प्रधान नवीन मित्तल ने की। विधायक कंवर सिंह यादव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। कमेटी की ओर सभी अतिथियों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। इसके अलावा कमेटी सदस्य सुधीर खुडाना, ओमप्रकाश बचीनी, मिडिया प्रभारी कर्मपाल यादव, सुमित गोयल, रवि सुरजनवास, आकाश आदि का स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किए। विधायक कंवर सिंह यादव ने रामलीला कमेटी को 51 हजार रुपये और विशिष्ट अतिथि नवीन मित्तल ने 11 हजार रुपये कमेटी को भेंट किए। इस मौके पर वरिष्ठ कलाकार लक्ष्मीनारायण सैनी, जोगेन्द्र सेठ, मोई गुर्जर, रोहित, विजय, बाल कलाकार नक्ष, अनीष, देव, हेमंत, राहुल व रक्षित मौजूद रहे।

अटेली में आज मनाई जाएगी अग्रसेन जयंती

मंडी अटेली। अग्रवाल सभा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह 23 सितंबर अटेली कस्बे में मनाई जाएगी। जिसकी शुरूआत अग्रसेन चौक पर पूजा अर्चना व माल्यार्पण से होगी। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह होगा। जयंती संयोजक परमेश्वर दयाल कांटी वाले, जीतू कावटिया व राजू महासरिया का विशेष सहयोग रहेगा। अग्रवाल सभा के प्रधान संजय गोयल व सक्रिय सदस्य महेंद्र गोयल ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि विक्की पंसारी, अध्यक्ष अजीत प्रकाश जैन, विशिष्ट अतिथि एडवोकेट दिपांकन गुप्ता व डॉ. सुरेंद्र मित्तल होंगे। विशेष आकर्षण के रूप में महिलाओं व पुरुषों के लिए लक्की ड्रा योजना रखी गई है। जिसका लाभ केवल समारोह में उपस्थित विजेताओं को ही मिलेगा।

अटेली में श्रीराम जन्म व ताड़का वध की लीला का मंचन

मंडी अटेली। झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति के नेतृत्व में आयोजित की जा रही श्रीराम लीला में श्रीराम जन्म व ताड़का वध की लीला का मंचन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि अनिल पुरोहित के शिष्य सोनू रहे। ताड़का का रोल राकेश सैनी व राम का रोल राकेश सैनी, लक्ष्मण का रोल त्रिभुवन ने किया। मंचन में सर्वप्रथम राजा दशरथ व कौशल्या के मध्य वंश को लेकर चिंतन हुआ, तब राजा दशरथ अपने गुरु वशिष्ट के पास गए और उनसे सलाह मांगी, वशिष्ठ के अनुसार श्रंगी ऋषि द्वारा एक यज्ञ का संविधान रचा गया, तब अग्नि देव की कृपा से उनके द्वारा प्राप्त हुए फल से राजा दशरथ को चार पुत्रों की प्राप्ति हुई और उनकी अयोध्या में खुशियों का संचार हुआ। एक दिवस विश्वामित्र अपने यज्ञ की रक्षा हेतु राम व लक्ष्मण को राजा दशरथ से मांगने आए और अपने साथ ले गए। मार्ग में उन्होंने ताड़का का वध किया व मारीच सुबाहु से जंगल को मुक्ति दिलाई।

फुलवारी लीला का मंचन देख गदगद हुए दर्शक

नारनौल। भगवान नारायण सेवा संस्था रजिस्टर्ड की ओर से श्रीकृष्णा ड्रामेटिक क्लब अनाज मंडी के मंच पर तीसरे दिन सुबाहु मारीच, फुलवारी, जनक संदेश, अहिल्या उद्धार की लीला का मंचन हुआ। रामलीला कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र जैन ने बताया कि रामलीला में मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार सैनी थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अलावा मनोज कुमार, बिशन दयाल सैनी ने सरस्वती मैया के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर गणेश पूजन के साथ लीला प्रारंभ करवाई। नरेश तायल ने बताया कि जब राम, लक्ष्मण ताड़का को मार देते हैं, तब यह बात सुबाहु मारीच को पता लगती है और वह ताड़का का बदला लेने के लिए राम, लक्ष्मण से युद्ध करने वन में आते हैं। युद्ध में सुबाहु मारा जाता है और मारीच भाग जाता है। वन के रास्ते में अहिल्या रूपी सिला भगवान राम, लक्ष्मण को दिखाई देती है, तब भगवान विश्वामित्र जी से शीला के बारे में पूछते हैं। तब भगवान चरण स्पर्श से अहिल्या को श्राप मुक्त करते हैं। मंच संचालन भारत भूषण तायल ने किया। रामलीला कमेटी के प्रभारी दयानंद सैनी ने कहा कि राम का अभिनय ध्रुव वर्मा, लक्ष्मण का कनिष्क कोहली, विश्वामित्र का अभिषेक सोनी, मारीच का महावीर, सुबाहु का जगदीश बिल्ला, जनक संदेश का दयानंद सैनी, सीता का विवेक शर्मा, सखियां सतीश बेदी, अहिल्या का अरविंद सैनी, माली का इंद्रजीत सैनी ने अभिनय किया।

सड़क निर्माण कार्य बीच में छोड़ने से लोगों में रोष

नारनौल। कनीना खंड के गांव धनौन्दा से मोहनपुर नांगल पुराने सम्पर्क मार्ग पर सड़क निर्माण का कार्य दो जगह पर बीच में छोड़ दिए जाने से अनेक गांवों के लोगों में रोष व्याप्त है। इस सम्बन्ध में बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन से छोड़े गए अधूरे निर्माण कार्य को तत्काल शुरू कर सड़क निर्माण पूरा करने की मांग की है। अतरलाल ने सड़क निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी व उपायुक्त को भेजे ज्ञापन में कहा है कि धनौन्दा से मोहनपुर पुराने कदीमी संपर्क मार्ग को पक्का करने का 60 प्रतिशत कार्य एक साल से पूरा हो चुका है। यह सड़क रेवाड़ी, कनीना, महेन्द्रगढ़ राज्य सड़क मार्ग तक बनकर तैयार हो चुकी है, लेकिन इससे आगे का कार्य रूका हुआ है। उन्होंने बताया कि इस सड़क पर धनौन्दा पंप हाउस से निकलने वाली मेन जवाहरलाल नेहरू कनाल, खेड़ी माइनर, बवाना माइनर पर पुलों का निर्माण कार्य एक साल से लटका हुआ है। इस सम्पर्क मार्ग के पक्का बनने से अनेक गांवों के लोगों को सुविधा मिलेगी तथा विकास कार्यों से क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। सड़क निर्माण कार्य पूरा होने से दोनों गांवों के बीच आवागमन सुगम होगा तथा नारनौल व महेन्द्रगढ़ जाने वाले यात्रियों का भी समय व धन बचेगा। उन्होंने कहा कि एक साल से सड़क निर्माण कार्य अधूरा लटका होने के कारण इलाके के लोगों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार व जिला प्रशासन ने तत्काल छोड़े गए अधूरे कार्यों को पूरा करने का कार्य शुरू कर सड़क निर्माण कार्य पूरा नहीं किया, तो लोग आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

आईआईटी उदघोष परीक्षा में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सीएलसी के विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सीएलसी ने एक बार फिर अपनी परंपरा को कायम रखते हुए आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की उदघोष नेशनल ओपन स्कूल क्विज परीक्षा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। संस्थान के कक्षा 11वीं के छात्र तुषार जैन पुत्र संजय जैन ने ऑल इंडिया में एक रैंक हासिल कर जिले व राज्य का नाम रोशन किया है, जबकि 20 छात्रों ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सीएलसी की श्रेष्ठता को सिद्ध किया है। यह परीक्षा देशभर के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है, जिसमें छात्र अपनी बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच के आधार पर चयनित होते हैं।

सीएलसी के निदेशक नरेन्द्र सिंह ने छात्रों की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्था की मजबूत शिक्षण प्रणाली, अनुभवी शिक्षकों व छात्रों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि छात्रों में नेतृत्व, आत्मविश्वास व प्रतिस्पर्धात्मक सोच विकसित करना है। सीएलसी सेंटर हैड सत्येन्द्र शर्मा व एकेडमिक कॉर्डिनेटर सतीश कुमार ने बताया कि संस्थान में छात्रों को नियमित रूप से मॉक टेस्ट, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और समय समय पर काउंसलिंग प्रदान की जाती है, जिससे वे मानसिक रूप से भी हर चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। इसी का नतीजा है कि सीएलसी के छात्र आज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

हुडा सेक्टर में यज्ञ गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हुडा सेक्टर में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ समाज सेवा पखवाड़े के तहत महिला यज्ञ व योग समिति के सौजन्य से हुडा सेक्टर में 30वीं यज्ञ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैदिक मन्त्रों के साथ यज्ञ में आहुतियां डाली गई और समवेत स्वर में शक्ति स्वरुपा धरती मां, प्रकृति मां, जननी मां, गऊ माता व कन्या माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई व जल तथा प्रकृति पूजन किया।

यज्ञ संयोजिका डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या ने बताया कि यज्ञ को सबसे श्रेष्ठ कर्म बताया गया है और इसके माध्यम से हम दिव्य जगत से जुड़ते हैं तथा आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं, जो हमें निरंतर श्रेष्ठ मार्गदर्शन पर चलने को प्रेरित करती है। इस अवसर पर मिथलेश व युगान्ता ने मां की आराधना में तू कितनी सच्ची है कितनी अच्छी है पालनहारी है ओ मां भक्ति गीत गाया। वहीं योगाचार्या अनीता यादव ने सबको योग करवाया। आर्या ने बताया कि सेवा पखवाड़े के तहत जहां लोग विभिन्न प्रकार की सेवा कर रहे हैं, वहीं महिला यज्ञ व योग समिति ने नियमित हवन व योग करने का संकल्प लिया हुआ है। प्रथम नवरात्र पर आयोजित यज्ञ संगोष्ठी में मातृशक्ति ने यज्ञ स्थल के सामने पार्क में पौधारोपण किया। इस मौके पर डॉ. कृष्णा आर्या, शकुंतला यादव, मिथलेश, युगान्ता, अनीता, जंत्री देवी, शकुंतला देवी, कृष्णा देवी, अमरजीत आदि मौजूद थे।

नारनौल। सफाई अभियान चलाते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

भाजपा युवा मोर्चा ने चलाया सफाई अभियान

नारनौल। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से प्रदेश आईटी सहप्रमुख एवं नगर पार्षद सिकन्दर कुमार के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन, भगवान परशुराम, महर्षि वाल्मीकि, डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत शिरोमणि सैन महाराज की प्रतिमाओं व चौक की सफाई करके स्वच्छता अभियान चलाया।

इस अवसर पर इनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर केडी, बीरबल, सचिन तंवर, विवेक बंसल, सुभाष सैनी, मयंक अग्रवाल, सुनील सैनी, लक्की जैदिया, आकाश शर्मा, रघुवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में दो दिवसीय टीचर्स प्रशिक्षण कैम्प आयोजित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकूला के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय गणित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन सोमवार को हुआ। इस कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के लगभग 50 शिक्षकों व प्राचार्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य गणित शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उनको नवीनतम पद्धतियों से अवगत कराना था। इस अवसर पर सीबीएसई रिसोर्सपर्सन रवि कुमार व नरोत्तम शर्मा ने कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को गणित विषय को रोचक गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाने के तरीकों पर प्रशिक्षित किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि सीबीएसई का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भावनात्मक और सामाजिक संज्ञात्मक कौशल को बढ़ावा देना है। इस कार्यशाला से शिक्षकों को अपने शिक्षण कौशल में सुधार करने व विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में मदद मिलेगी। स्कूल के चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव व सीईओ अविनाश यादव ने बाहर से आए प्रशिक्षकों तथा अध्यापकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उप प्राचार्य संदीप खैरवाल भी उपस्थित थे।